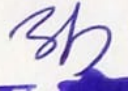




24-8-18 पञ्जावली पैसा इन्डि। वृत्तीय वादी उपकरण नहीं। वादी व वादी के पञ्जीम के अतिरिक्त ही अर्थात् विभिन्न प्रकार के डिजाई जाते हैं उपनांत भी उपकरण नहीं होने के कारण वादी का वाड पड इन्डि हाजरी व इन्डि पैरवी के खराबीज विना जाता है पञ्जावली पैसा शुभार भी जाकर वपनक कारकिर्द है।


 उपकरण विभागी
 (सं.)